

कांग्रेस के शासनकाल में कर का था भारी बोझ - 12



जीएसटी में बदलाव से हर परिवार को होगा लाभ : सीतारमण - 12



हजरतबल महिंदा पर राष्ट्रीय प्रतीक धिलगाने पर और गरमाया माहौल - 13



अलंकाराज और सिनांग में होगा अमेरिकी ओपन का दिवाली नुकाबला - 14

विकसित भारत का सारथी बनेगा यूपी परिवहन विभाग : योगी

राज्य बूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी अदित्यनाथ ने शनिवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में परिवहन विभाग की नई योजनाओं और सेवाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते हुए कहा कि इसे विकसित भारत का सारथी बनाना चाहिए। योगी रोडवेज के पास देश का सबसे बड़ा बेड़ा है, जिसे आधुनिक अवसर पर उन्होंने कहा कि परिवहन और गंव-गांव कनेक्टिविटी से तीन लाख इंटरसेप्टर को हरी झंडी दिखाए। इसे है। कहा कि बढ़ते रुप से विभाग की प्राथमिकता विभाग पर उन्होंने कहा कि परिवहन और गंव-गांव कनेक्टिविटी से तीन लाख रोजगार सुनित किए जा सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने आठ डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस, 16 इलेक्ट्रिक बस, 1 रेलोफिट इलेक्ट्रिक बस, 10 सीएनजी

मुख्यमंत्री ने 400 बसों को दिखाई हरी झंडी, 20 फीसदी कम होगा ग्रामीण रोडवेज बसों का किराया

बस सेवा की गांवों तक कनेक्टिविटी से करीब तीन लाख रोजगार के अवसर

बस, दो एसी बस, 20 टाया बस, 43 आयरस सहित 400 बीएस-सिक्स बसों और सड़क सुरक्षा के लिए 11 इंटरसेप्टर को हरी झंडी दिखाए। इसे है।

नियम के पास देश में सबसे बड़ा 14 हजार बसों का बेड़ा होने के बावजूद चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उन्होंने विभाग से अल्पकालिक (3 वर्ष), मध्यम अवधि (10 वर्ष) और

दीर्घकालिक (22 वर्ष) योजनाएं तैयार करने का निर्देश दिया। साथ ही लंबित नियम के पास देश में भरोसे नहीं है। उन्होंने विभाग के निपाटारे, जनसुनवाई तेजी से करने और टीम वर्क मजबूत करने से करने और अन्य राज्यों के प्रवासियों को सख्त हिदायत दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवहन विभाग संकट काल में भी भरोसे नहीं है। 2019 कंब और कोरोना फाइलों के निपाटारे, जनसुनवाई तेजी प्रदेश और अन्य राज्यों के प्रवासियों को सुरक्षित उनके गंतव्य तक पहुंचाया।

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सुरक्षा जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80 किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20 जनता सेवा का तोहफा देते हुए कहा प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंगे। इसका किराया 20

प्रतिशत तक कम होगा। इस मोर्के पर

प्रयागराज महाकुंभ में रेलवे स्टेशनों

कि प्रत्येक डिपो की 10 प्रतिशत फील्टी

भरोसे नहीं है।

जनता सेवा की होगी। ये बजे 75-80

किमी दूरी के दायरे में आने वाले गांवों तक चलेंग

न्यूज ब्रीफ

दहेज उत्पीड़न में चार

वर्ष का कारावास

बाराबंकी, अमृत विचार : न्यायालय ने दहेज उत्पीड़न के दोषी पत्रिकों के 4 वर्ष कठोर कारावास व 9 हजार रुपये के अर्थदण्ड की सजा सुनाई है। थाना जहांगीराबाद पर दहेज के सम्बन्ध में पंचीन भास्तव घटनात निवासी उत्पीड़न मजरे रखल्पुर को विभिन्न धाराओं में न्यायालय अपर सत्र न्यायालीय कॉर्ट संख्या-4 द्वारा दोषिसद करते हुए 4 वर्ष कठोर कारावास अर्थदण्ड से छींडत किया गया। 4 नवंबर 2016 को थाना जहांगीराबाद पर अर्जीत द्वारा तहरीर दी गयी थी। तहरीर के आधार पर थाना जहांगीराबाद पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। तत्कालीन विवेचक द्वारा वैज्ञानिक विधि से विवेचना पूर्ण कर न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया।

किसानों के लिए राहत की खबर

बाराबंकी, अमृत विचार : किसानों को अब निजी उपयोग के लिए 100 घनमीटर तक पिंडी खनन व परिवर्तन के लिए अलग अनुमति नहीं लेनी होगी। जिलाधिकारी शाश्वत त्रिपाठी ने बताया कि किसान पोटल पर खरपंजीकरण कर पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगे, जो खनन व परिवर्तन पास दोनों के रूप में मान्य होंगा। इसके लिए अलग से ईएमए-11 की जरूरत नहीं होगी।

आनलाइन पोर्टल पर भरें सूचनाएं

बाराबंकी, अमृत विचार : महिला एवं बाल विकास विभाग में नवचयनित मुख्य सेविकाओं की तैनाती प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्चनित अध्यार्थियों को अँगूलाइन पोर्टल पर अपने पंसंदीदा जनपदों की प्राथमिकताएं भरनी होगी।

वाहन की टक्कर से युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : हैदरगढ़ क्षेत्र में शुक्रवार की रात थोजन करने के बाद टहलने निकले एक युवक को तेज रस्तार बोलेगो ने टक्कर मार दी। परिजन घायल युवक को सीधेसी ले गये जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, रामनगर थाना क्षेत्र में एक दिन पूर्व उड़े सड़क हादसे में घायल महिला ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हैदरगढ़ प्रतिनिधि के अनुसार बोक्स के लिलाहारा वार्ड निवासी पंकज सिंह उर्फ पूरे (35) शुक्रवार की रात थोजन के बाद टहलने के लिए उड़े सड़क हादसे में घायल दस निकले। दोर रात साथ दस बजे हैदरगढ़-धिरिया मार्ग पर तेज प्रतिनिधि के अनुसार, थाना क्षेत्र में

उपनिवेशक कार्यालय में वेबसाइट टप

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार : उपनिवेशक कार्यालय में रेजिस्ट्री बैनारों का अँगूलाइन पंजीयन वेबसाइट टप होने के कारण प्रभावित हो रहा है। स्थानीय अधिवक्ताओं का कहना है कि आप दिन वेबसाइट की समस्या बनी रहती है, जिससे विलेखों का क्रियान्वयन रुक जाता है। इस समस्या के कारण विविध विधायिकों ने एसेसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. संधीर वर्मा ने व्यक्त किए। कार्यक्रम में सभी गुरुजों को सम्मानित किया गया। हिंदू इंटीरियर डॉ. रवि आहुजा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्रीय विधायक से मूलाकात कर हस्तक्षेप की मांग की है। इस संबंध में उपनिवेशक कार्यालय कुमार मिश्र ने बताया कि यह तकनीकी दिक्कत के निवासी से संबंधित है।

गुरु ही शिष्य को बनाता है ज्ञानी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : हम लोग जो कुछ भी हैं, वह सब हमारे गुरुजों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद का प्रतिफल है। गुरु के आशीर्वाद में ही शिष्य का कल्याण निहित है।

ये उद्गार अल्पुमानई एसेसिएशन के प्रेसिडेंट डॉ. संधीर वर्मा ने व्यक्त किए। कार्यक्रम में सभी गुरुजों को सम्मानित किया गया। हिंदू इंटीरियर डॉ. रवि आहुजा ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्रीय विधायक से मूलाकात कर हस्तक्षेप की मांग की है। इस संबंध में उपनिवेशक कार्यालय कुमार मिश्र ने बताया कि यह तकनीकी दिक्कत के निवासी से संबंधित है।

संपूर्ण समाधान दिवस

सिरोलीगौसपुर तहसील में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने शिक्षायत सुनीं और अधिकारियों को समस्याओं का सम्पर्क बनाया। डॉम की मौजूदगी में दो शिक्षायतकारों को तत्काल राशन कार्ड उपलब्ध करवाए गए।

जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने

शिक्षायत सुनीं और अधिकारियों को समस्याओं का सम्पर्क बनाया। इस दौरान कुल 416 शिक्षायत अधिकारियों तक पहुंची, इनमें 51 की ही निस्तरारण मोक्ष के प्रति किया जा सका। डॉम की मौजूदगी में दो शिक्षायतकारों को तत्काल राशन कार्ड उपलब्ध करवाए गए।

फरियादी की शिक्षायत सुनते डीएम शशांक त्रिपाठी।

अमृत विचार : शनिवार को सभी तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोग रहा। इस दौरान कुल 416 शिक्षायत अधिकारियों तक पहुंची, इनमें 51 की ही निस्तरारण मोक्ष के प्रति किया जा सका। डॉम की मौजूदगी में दो शिक्षायतकारों को तत्काल राशन कार्ड उपलब्ध करवाए गए।

संपूर्ण समाधान दिवस

रामस्वरूप विवि पर गरजा बुलडोजर जमींदोज किया गया एनिमल हाउस

कब्जाई गयी भूमि का सर्वे जारी, प्रशासन-पुलिस टीम की मौजूदगी में हुई कार्रवाई

कार्रवाई

32 गाटा संख्याओं का किया जा रहा है सर्वे

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी द्वारा कब्जा की गयी जमीन पर शनिवार को बुलडोजर गरजा। तहसील के अफसर व पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जमीन की नाप कराई। एक गाटा पर बने एनिमल हाउस को जमींदोज कर दिया गया। अन्य पर सर्वे जारी हैं और कब्जा सामने आने पर उसे ढाप दिया जाएगा।

किसानों के लिए राहत की खबर

बाराबंकी, अमृत विचार : किसानों को अब निजी उपयोग के लिए 100 घनमीटर तक पिंडी खनन व परिवर्तन के लिए अलग अनुमति नहीं लेनी होगी। जिलाधिकारी शाश्वत त्रिपाठी ने बताया कि किसान पोटल पर खरपंजीकरण कर पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगे, जो खनन व परिवर्तन पास दोनों के रूप में मान्य होंगा। इसके लिए अलग से ईएमए-11 की जरूरत नहीं होगी।

कार्रवाई संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी द्वारा कब्जा की गयी जमीन पर शनिवार को बुलडोजर गरजा। तहसील के अफसर व पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जमीन की नाप कराई। एक गाटा पर बने एनिमल हाउस को जमींदोज कर दिया गया। अन्य पर सर्वे जारी हैं और कब्जा सामने आने पर उसे ढाप दिया जाएगा।

किसानों के लिए राहत की खबर

बाराबंकी, अमृत विचार : किसानों को अब निजी उपयोग के लिए 100 घनमीटर तक पिंडी खनन व परिवर्तन के लिए अलग अनुमति नहीं लेनी होगी। जिलाधिकारी शाश्वत त्रिपाठी ने बताया कि किसान पोटल पर खरपंजीकरण कर पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगे, जो खनन व परिवर्तन पास दोनों के रूप में मान्य होंगा। इसके लिए अलग से ईएमए-11 की जरूरत नहीं होगी।

कार्रवाई संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी द्वारा कब्जा की गयी जमीन पर शनिवार को बुलडोजर गरजा। तहसील के अफसर व पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जमीन की नाप कराई। एक गाटा पर बने एनिमल हाउस को जमींदोज कर दिया गया। अन्य पर सर्वे जारी हैं और कब्जा सामने आने पर उसे ढाप दिया जाएगा।

किसानों के लिए राहत की खबर

बाराबंकी, अमृत विचार : किसानों को अब निजी उपयोग के लिए 100 घनमीटर तक पिंडी खनन व परिवर्तन के लिए अलग अनुमति नहीं लेनी होगी। जिलाधिकारी शाश्वत त्रिपाठी ने बताया कि किसान पोटल पर खरपंजीकरण कर पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगे, जो खनन व परिवर्तन पास दोनों के रूप में मान्य होंगा। इसके लिए अलग से ईएमए-11 की जरूरत नहीं होगी।

कार्रवाई संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : श्री रामस्वरूप मेमोरियल यूनिवर्सिटी द्वारा कब्जा की गयी जमीन पर शनिवार को बुलडोजर गरजा। तहसील के अफसर व पुलिस बल मौके पर पहुंचा और जमीन की नाप कराई। एक गाटा पर बने एनिमल हाउस को जमींदोज कर दिया गया। अन्य पर सर्वे जारी हैं और कब्जा सामने आने पर उसे ढाप दिया जाएगा।

किसानों के लिए राहत की खबर

बाराबंकी, अमृत विचार : किसानों को अब निजी उपयोग के लिए 100 घनमीटर तक पिंडी खनन व परिवर्तन के लिए अलग अनुमति नहीं लेनी होगी। जिलाधिकारी शाश्वत त्रिपाठी ने बताया कि किसान पोटल पर खरपंजीकरण कर पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्राप्त कर सकेंगे, जो खनन व परिवर्तन पास दोनों के रूप में मान्य होंगा। इसके लिए अलग से ईएमए-11 की जरूरत नहीं होगी।



जे न मित्र दुख होहि दुखारी। तिन्हि हि विलोकत पातं भरी।।

रामगवित मानस में भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता के संर्दंगे में यह चौपाई बाती है कि मित्रता निभाने वाले की भावावान भी सहायता करते हैं। जो लोग दूसरों के दुख के देखकर दुखी नहीं होते और उनकी मदद नहीं करते, ऐसे लोगों को देखने से भी पाप लग जाता है। जो अपने दुख भूतकर दूसरों की सहायता करते हैं, ईश्वर ख्यात उनकी मदद करते हैं।

वृक्षों की सांस्कृतिक अवधारणा और सुप्रीम कोर्ट की चिंता

सर्वोच्च न्यायालय ने पेड़ों की अवैध कटान पर तीव्री दिएपी की है। मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने कहा, "प्रथम दृष्ट्या ऐसा प्रतीत होता है कि पेड़ों की अवैध कटान हुई है।" कोटे ने केंद्र, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखण्ड और पंजाब राज्यों से तीव्र हफ्तों में जबाब मांगा है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा है, "पहाड़ी क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर अवैध कटाई दिखायी पड़ती है।" कोटे ने सॉलिसिटर जनरल तुषार महाता से कहा, "वह इसकी जांच करें। इसके लिए जो कुछ भी जरूरी हो, किया जाना चाहिए।"

पेड़ कटानों का परिणाम देश के लिए घातक होता है। वृक्षों से वर्णा होती है। कटान से त्रृत्रु चक्र गड़बड़ाता है। विश्व वैक की दिक्षिण एशियाई हॉटस्पॉट-तापमान के प्रभाव और जीवन स्तर का परिवर्तन' शीर्षक से रिपोर्ट आई थी। रिपोर्ट में अनुमान किया गया था कि सन् 2050 तक भारत की जोड़ीपी 28 प्रतिशत तक घट सकती है। अन्य तमाम संस्थाओं ने भी जलवायु परिवर्तन से भारत को खतरा बताया है।

भारतीय ज्ञान परंपरा में वृक्ष और वनस्पतियां पृथक् परिवार के अंग हैं। हम उन पर आश्रित हैं। पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। हमारे और वृक्ष-वनस्पतियों के बीच परस्परावलंबन है। वे सभी त्रृत्रु चक्र को प्रभावित करते हैं। वृक्षों की प्राकृतिक घटक अव्यवस्थित हो गए हैं। इसी अव्यवस्था के चलते उत्तराखण्ड सहित देश के अन्य राज्यों में भूखलन, बादल फटने की घटनाएं भी चिंता का विषय हैं। तूफान और बाढ़ आती है। भारत की अधिकांश नदियां जलहीन हो रही हैं। इसका असर पशु-पक्षियों पर भी पड़ा है।

सन् 2000 में पेरिस में 'अर्थ कमीशन' ने पृथक् और पर्यावरण संरक्षण के 22 सूत्र निकाले थे। ऐसी बैठके लगातार होती रही। 2015 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित किए थे। पर्यावरण इन लक्ष्यों में खास अपेक्षा रखता है। भारत ने प्रतिदिन भौजन का एक विस्सा अलग रख लिया करो। जीव आपाएं और प्रसन्न होंगे।

वृक्षों और वनस्पतियों को भी प्रेम की प्यास रहती है। पृथक् पर पेड़-पौधों की उपस्थिति एक असाधारण संरचना है। लाखों वृक्ष और वनस्पतियों पृथक् में हैं। मैकडनल ने वैदिक माइथोलोजी में खूबसूरत दिप्पांगी की है। ऋद्वद के अनुसार वृक्ष के अधिकांश सप्तरात्मक विद्युत चालन वाहन बढ़ रहे हैं। लैकिन अभी ठोस परिणाम नहीं आए हैं। सभ्यता के विकास में शुरूआत में पेड़-पौधे ही हमारे संरक्षक और विधाता थे। हम

पद्म पुराण में वृक्षारोपण का फल बताया गया है। पीपल का पेड़ लगाने से रोग नाश होता है और धन मिलता है। पाकड़ का पेड़ लगाने से यज्ञ का फल मिलता है। नीम का पेड़ लगाने से सूर्य देवता की कृपा हम पर बरसती है। इसी तरह बेल का पेड़ लगाने से शिव प्रसन्न होते हैं। कोई भी पेड़ लगाने से वातावरण में सकारात्मक परिवर्तन होता है। पीपल, बरगद तो पूजनीय हैं ही। यजुर्वेद के शांति मंत्र में औषधियों-वनस्पतियों के शांत रहने की प्रार्थना है—“पृथक् शांत हों, अंतरिक्ष शांत हों, वनस्पतियां औषधियां शांत हों।”

उनको प्रणाम करते थे। पानी देते थे। वैदिक काल से पृथक् का गुण गंध है। यह गंध वनस्पतियों में है। पृथक् ही पेड़-पौधों को प्रेम करने वाली संस्कृति प्रवाहमान संसार की धारक है। वैदिक काल के बाद का चरण हड्डपा सभ्यता है। आजादी के बाद में वनस्पतियों पर था। ऋद्वद में यह खूबसूरत नारीय सभ्यता थी। आजादी के बाद से वनस्पतियों को देवता कहा गया है। अथर्ववेद के एक नगरों-महानगरों का अराजक विकास हुआ। नगर क्षेत्र सूक्त (1.34) में ऋथियों के वनस्पति प्रेम की जांकी है। अथर्ववेद के समाने एक लता है। लता से समझने वाली होती चाहिए।

हम भारत के लोग वनस्पतियों में देवता देखते रहे हैं। लोक मान्यता में प्रत्येक पेड़ का एक देवता होता है। विष्णु पीपल के एक देवता होता है। वरगद के देवता की शिव वस के चंद्रमा है। अश्वक के देवता ईंट और आदित्य है। आंवला के देवता विष्णु है। महाभारत में कथा है। कृष्ण ने एक बार पृथक् की पूजा की। वे समाधियों हो गए। पृथक् स्त्री वैश में कृष्ण के सामने पहुंची। कृष्ण ने पृथक् से अधिलास की, “मां आप कैसे प्रसन्न होती हैं?” पृथक् ने कहा, “सभी जीवों को व्याकरण करते हैं।” पृथक्-पौधों को ने कहा, “सभी जीवों को व्याकरण करते हैं।” पृथक्-पौधों को संरक्षण दो। प्रतिदिन भौजन का एक विस्सा अलग रख लिया करो। जीव आपाएं और प्रसन्न होंगे।

वृक्षों और वनस्पतियों को भी प्रेम की प्यास रहती है। पृथक् पर पेड़-पौधों की उपस्थिति एक असाधारण संरचना है। लाखों वृक्ष और वनस्पतियों पृथक् में हैं। मैकडनल ने वैदिक माइथोलोजी में खूबसूरत दिप्पांगी की है। ऋद्वद के अनुसार वृक्ष के अधिकांश सप्तरात्मक विद्युत चालन करता है। वृक्षों और वनस्पतियों को आधार देता है। वृक्षों को संरक्षण दो। प्रतिदिन भौजन का एक विस्सा अलग रख लिया करो। जीव आपाएं और प्रसन्न होंगे।

वृक्षों और वनस्पतियों को भी प्रेम की प्यास रहती है। पृथक् पर पेड़-पौधों की उपस्थिति एक असाधारण संरचना है। लाखों वृक्ष और वनस्पतियों पृथक् में हैं। मैकडनल ने वैदिक माइथोलोजी में खूबसूरत दिप्पांगी की है। ऋद्वद के अनुसार वृक्ष का आधार है। वृक्षों और वनस्पतियों को आधार देता है। वृक्षों को संरक्षण दो। प्रतिदिन भौजन का एक विस्सा अलग रख लिया करो। जीव आपाएं और प्रसन्न होंगे।

उदान और समान तथा अविद्या काम और कर्म। इसी सूक्ष्म शरीर के अंदर शरीर रहता है, जो निग्रुणात्मक है। यानी सत, रज और तम गुणों से युक्त। इसमें ही अत्मा अकर्ता होकर विद्यमान रहती है। यही आत्मा सहित सूक्ष्म शरीर प्रेत है, जिसे 'लिंग शरीर' भी कहते हैं। यह हम 'मिथ' की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका आंवल और बहुधा स्थानीय संपर्क रखती है। अंवल के बाद शरीर की अपावश्यकता थी। लेखक और इतिहासकार प्ल्यूटार्क ने उन पर लिखी पृथक् सूक्ष्म शरीर प्रेत उठाया है। इसमें ही अपेक्षित एक असाधारण संरचना है। उन्होंने एक बार पृथक् की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका आंवल और बहुधा स्थानीय संपर्क रखती है। अंवल के बाद शरीर की अपावश्यकता थी। लेखक और इतिहासकार प्ल्यूटार्क ने उन पर लिखी पृथक् सूक्ष्म शरीर प्रेत उठाया है। इसमें ही अपेक्षित एक असाधारण संरचना है। उन्होंने एक बार पृथक् की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका आंवल और बहुधा स्थानीय संपर्क रखती है। अंवल के बाद शरीर की अपावश्यकता थी। लेखक और इतिहासकार प्ल्यूटार्क ने उन पर लिखी पृथक् सूक्ष्म शरीर प्रेत उठाया है। इसमें ही अपेक्षित एक असाधारण संरचना है। उन्होंने एक बार पृथक् की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका आंवल और बहुधा स्थानीय संपर्क रखती है। अंवल के बाद शरीर की अपावश्यकता थी। लेखक और इतिहासकार प्ल्यूटार्क ने उन पर लिखी पृथक् सूक्ष्म शरीर प्रेत उठाया है। इसमें ही अपेक्षित एक असाधारण संरचना है। उन्होंने एक बार पृथक् की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका आंवल और बहुधा स्थानीय संपर्क रखती है। अंवल के बाद शरीर की अपावश्यकता थी। लेखक और इतिहासकार प्ल्यूटार्क ने उन पर लिखी पृथक् सूक्ष्म शरीर प्रेत उठाया है। इसमें ही अपेक्षित एक असाधारण संरचना है। उन्होंने एक बार पृथक् की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका आंवल और बहुधा स्थानीय संपर्क रखती है। अंवल के बाद शरीर की अपावश्यकता थी। लेखक और इतिहासकार प्ल्यूटार्क ने उन पर लिखी पृथक् सूक्ष्म शरीर प्रेत उठाया है। इसमें ही अपेक्षित एक असाधारण संरचना है। उन्होंने एक बार पृथक् की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ एक 'डेमन' रहती थी और उनका आंवल और बहुधा स्थानीय संपर्क रखती है। अंवल के बाद शरीर की अपावश्यकता थी। लेखक और इतिहासकार प्ल्यूटार्क ने उन पर लिखी पृथक् सूक्ष्म शरीर प्रेत उठाया है। इसमें ही अपेक्षित एक असाधारण संरचना है। उन्होंने एक बार पृथक् की बात न करके कुछ उदाहरण साझा करते हैं।

प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक सुकरात के साथ ए

फिल्मों व पार्टीयों में हीरोइनों के हॉटेस्ट ट्रेंड्स ब्यूटी व हाई फैशन हैलैम का बिखेरते रहते जलवा

बॉलीवुड ने साड़ी को दिया ट्रेंडी स्टाइल

फैशन और लाइफस्टाइल में तमाम बदलावों के बीच परंपरागत भारतीय परिधान साड़ी का एलैम कभी कम नहीं होता। साड़ियों से साड़ी का क्रेज अपनी जगह पर कायम है। यह महिलाओं की खूबसूरती बढ़ाने वाला ऐसा परिधान है, जो कभी आउट आफ फैशन नहीं होता है। बॉलीवुड और फैशन डिजाइनर मिलकर इन्हें लगातार फिर से आकर्षक, ताजा, हल्का और पहनने लायक बनाते रहते हैं। इसीलिए कहा जाता है कि बॉलीवुड सिर्फ साड़ी वहीं पहनता, बल्कि रोजमर्या की जिंदगी में साड़ी के एहसास को नए-नए आकार देता रहता है। सालों से तमाम अभिनेत्रियों ने फिल्मों में साड़ी पहनकर देसी और हॉट एलैमरस लुक के नए ट्रेंड्स बनाए हैं, और साड़ी जैसा परंपरागत पहनावा भी सेक्सी हो सकता है, इसे अपनी फिल्मों से साबित किया है।



सुंदरता की परिभाषा, आकर्षण का जादू जैसी सिल्क साड़ियां

कहते हैं, सिल्क की साड़ियों की पुरानी नहीं होती है। इन साड़ियों का जादू भारतीय सुंदरता को परिभाषित करने की तकत हमेशा बनाए रखता है। दोपिया पादुकों और रेखा जैसी अभिनेत्रियों लालायर याद दिलाती रहती है कि कानूनीरम सिल्क से बढ़कर कुछ नहीं है। वाह वह शुद्ध सोने की जी ही या महीन मुलायम पेरस्ट लागे, ये साड़ियां हमेशा महवूर्ण होती हैं। हल्की, मुलायम और पहनने में आसान। रेखा का सुनहरे और लाल कानूनीरम साड़ियों का अंतीम संग्रह इन साड़ियों के पुराने आकर्षण को बढ़ावार रखता है। शादी समारोह के भौंपे पर दुर्लभ आज भी सिल्क के गुलाबी, लाल या पेरस्ट कलर के मनमोहक लुक को ही बाहरी है।

प्रतुति: मनोज त्रिपाठी, कानपुर

इस सप्ताह रिलीज होने वाली फिल्में

‘एक चतुर नार’ है डार्क कॉमेडी थिलर



विदेशों में सराही गई ‘जुगुनमा’ अब पर्दे पर



इस फिल्म को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में सराहा जा चुका है। अब भारत में रिलीज की जा रही है। यह एक भैंसीकल और रियलिटिक टाइप की पिया है, जिसमें मनोज बाजपेही रहस्यमयी तरीके में है। फिल्म की कहानी 1980 दशक की है। इसमें जुगन बने मनोज बाजपेही रहस्यमयी तरीके से जल रहे जानले के बारे में पता लगते हैं। दोपक डोबरायल, तिलोत्तम शेंग, हीरल सिंह भी अहम किरदार में हैं।

‘लव इन वियतनाम’ एक रोमांटिक ड्रामा



हीर एक्सप्रेस: दिल छू लेने वाला फैमिली ड्रामा



इस फिल्म में पंजाब से युके जाने वाली लड़की हीर के सपनों की होती है, जहां उसे ताम मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। हीर के रोल से बालीवुड में दिविता जूनेजा डेब्यू कर रही है। हीरो के रोल में प्रीत कमाने हैं। आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर व संजय मिश्र फिल्म को फैमिली ड्रामा बनाते हैं।

अरमानी माने फैशन की दुनिया में आसमानी क्रांति

फैशन इंडस्ट्री का किंग कहे जाने वाले जियेजियों अरमानी अपने पीछे सांस्कृतिक विस्तार के साथ फैशन का इतिहास छोड़ गए हैं। 91 साल की उम्र में अरमानी का दो दिन पहले निधन हो गया। वह आधुनिक इतालवी शैली और शाने-शैकूत के लिए जाने जाते थे। उन्होंने इटली को फैशन की दुनिया में नई ऊँचाई दी थी। अरमानी ने साहस दिखाते हुए लड़कियों को लड़कों और लड़कों को लड़कियों के कपड़े पहनाकर साबित किया था कि फैशन की दुनिया में इतिहासी की कोई सीमा नहीं है। आधी सदी तक फैशन और स्टीफनी भारतीय फिल्म बनने जा रही है। फिल्म में वियतनामी एट्रेस खा नागन के अलावा फरीदा जलाल, गुलशन ग्रेवर व राज बब्बर भी नजर आएंगे।



लाद लेते हैं, जबकि ये गलत हैं। इसकी जगह डिजाइन किए गए परिधान ही पहने। उनके लाइट परिधानों के साथ कंफर्ट का ध्यान सूटस और गाउड्स ने रेड कॉर्पेट फैशन को रखकर भी स्टाइलिश नजर आया जा सकता है। अरमानी ने 1970 में ऐसा ट्रेंड सेट किया कि जिसका पूरी दुनिया के ड्रेसिंग स्टाइल पर असर पड़ा। उन्होंने हॉलीवुड के रेड कॉर्पेट पर भी अपनी मजबूत पकड़ बनाई। जोड़ी फॉर्मर की 1992 की ऑस्कर लुक से लेकर जूलिया रॉबर्ट्स तक, कई बड़ी हस्तियों ने उनके द्वारा

फ़िवर डेस्क, कानपुर

जरी ग्लास साड़ी फैशन के नए स्टाइल का स्टेटमेंट

■ वर्तमान में जरी ग्लास साड़ी सिर्फ ट्रेंड नहीं, बल्कि फैशन के नए स्टाइल का स्टेटमेंट बट्टी और पॉलीगैर्स इसे हाथ खास मोड़के के लिए परफेक्ट बनाते हैं। आज जरी ग्लास साड़ी के लुक का बालीवुड से लेकर सोशल मीडिया तक है कोई दीवाना है। जान्हवी कपूर, सोनम कपूर जैसी अभिनेत्रियों से लेकर फैशन इन्प्लॉएसर्स तक, सभी इन ग्लैमरस साड़ों का अलग-अलग अंदाज में कैरी कर रही हैं। बाज भी वो इस पहान्ती हैं, बनारसी सिल्क साड़ियों को बास लाती रहती है। उनके लिए इसमें कोई झँझट नहीं, बस एक सादा ब्लाज, भारी साड़ी और सिपल बाल खूबसूरत लुक बना देता है। जब भी वो इस पहान्ती है, बनारसी साड़ियों की बड़ी जाती है। नए बाजारी डिजाइन भी हल्के रंगों पर केंद्रित हैं। धूल भरे गुलाबी, फीका बुद्धीना रंग, पुराने सुनहरे रंग, भारी-भरकम ब्रॉकेट की बाजाय छोटी बट्टियों। पहनने में आसान, कम वजन, लोकन आकर्षण वही।

रेड कार्पेट और अवॉर्ड नाइट्स में स्टाइलिश अंदाज सीविन बाड़ी

■ सीविन साड़ियों को बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने फैशन में लोकप्रिय बना दिया है। रेड कार्पेट या अवॉर्ड नाइट्स के लिए अभिनेत्रियों सीविन बाड़ी की साड़ी पर्संद करती है। कियारा आडवानी और जाह्नवी कपूर ने सिल्वर, शैंपैन और यहां तक कि काले रंग की चमकदार सीविन साड़ियों पहनी हैं। नोरा फेटेली ने कई बार सीविन मैटेलिक साड़ी को अपने बोल्ड और फैमिन स्टाइल के साथ प्रेयर करके एक अलग लुक दिखाया है। दशरासल, ये साड़ियों का बाल तर्क तक आता है। बोल्ड तर्कीरों, स्पॉटलाइट और तेज संगीत वाली महफिल के लिए। इन्हें परिवारिक समारोहों में नहीं पहना जा सकता। लेकिन ये ट्रेंड में इसलिए रहती हैं क्योंकि बॉलीवुड इन्हें जिंदा रखता है।



लाइट मेकअप के साथ रफल्ड साड़ियां बनातीं अट्रैक्टिव लुक

शिल्पा शेट्टी और कैटरीना कैफ ने रफल्ड साड़ियों को छिलें सात पार्टीयों की शान बनाया था। इससे पहले मिस वर्ल्ड मानवी छिल्लर ने सफेद रफल्ड साड़ी पहनकर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बढ़ावी थीं। सोनम कपूर, लारा दता और माहुरी दीक्षित तक इन साड़ियों के प्रति दीवानगी दिखा चुकी हैं। रफल्ड साड़ियों के बैंडर पर लहरिया स्टाइल का लेस होता है, साड़ी बंधे पर यह लेस स्पूरकर पल्लू तक आता है, और अच्छा लुक देता। ये साड़ियों को कॉटेल नाइट्स, संगीत और शादी से पहले के कार्यक्रमों के लिए हैं। रफल्ड साड़ियों में एक अलग लुक जैसा जिंदा रहता है। जॉर्ज ट्रांसियों नई और ताजा दिखती हैं।



अभिनेता सौरभ शुक्ला बोले-थिएटर, वेब सीरीज और फिल्में केवल दर्शकों तक पहुंचने का माध्यम

जॉली एलएलबी 3 हंसाने के साथ करेगी सिस्टम पर चोट

जॉली एलएलबी की दो फिल्मों की सफलता के बाद जॉली एलएलबी 3 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बरेली नाट्य महोत्सव में शामिल होने वरेली आए अभिनेता सौरभ शुक्ला ने 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली अपनी फिल्म जॉली एलएलबी 3 पर चर्चा की। इस फिल्म में जॉली एलएलबी 3 का दर्शक विचारी का दम्भादर किरदार किरदार विचार करता है। वाले सौरभ ने बताया कि फिल्म में पंजाब से इंतजारी दो फिल्मों की तरह ये किल्लों दो लोगों को हमसने के साथ सिस्टम पर चोट करती हैं, क्योंकि फिल्म के निर्देशक सुधारक कपूर घोरे से पत्रकार कर रहे हैं, इसलिए मनोरंजन के साथ फिल्म दिखाने के अपने उद्देश्य से कभी नहीं भरकते हैं। बरेली के एक होटल में अमृत विचार से बात चीत में अभिनेता सौरभ शुक्ला ने नाटक के अभिनय, वर्तमान और थिएटर और अन्य माध्यमों के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा पर खुलाकर चर्चा की। उन्होंने अपने नाटक 'बॉर्ड' के बारे में बताया कि इसका अभिनय वह 200 से अधिक बार कर चुके हैं, लेकिन पहली बार बरेलीवासी इससे रुबरू हो गए। वह एक थिएटर नाटक है, जिसमें रोमांच, रहस्य और पहलों का मिश्रण है। इस नाटक को स्क्रिप्ट एक सर्सेस फिल्म के लिए लिखी गई थी, जो कशमीर की बालीलोंगों में एक रहस्यमय ग

